प्रेस विज्ञप्ति

लोक भवन, राँची

दिनांक : 29 जनवरी, 2026 :-

(1) माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर के तत्वावधान में XLRI, जमशेदपुर में "Environmental Mutagenesis and Epigenomics in Relation to Human Health" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय International Conference of EMSI (Environmental Mutagen Society of India) के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य का संबंध अत्यंत गहरा एवं संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि आज औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, प्रदूषण एवं बदलती जीवन-शैली के कारण मानव स्वास्थ्य से जुड़ी अनेक नई चुनौतियाँ उत्पन्न हो रही हैं। हवा, पानी, मिट्टी और भोजन के माध्यम से हो रहे प्रदूषण का मानव शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जिससे आनुवांशिक एवं स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएँ बढ़ रही हैं।

राज्यपाल महोदय ने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन केवल समस्याओं तक सीमित न रहकर उनके व्यावहारिक और प्रभावी समाधानों पर भी गंभीर विमर्श करेगा। ऐसे सम्मेलनों के निष्कर्ष समाज के लिए उपयोगी और व्यावहारिक होने चाहिए। साथ ही उन्होंने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं से अपने ज्ञान और

अनुसंधान को समाज के व्यापक हित से जोड़ने का आह्वान किया।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में वे उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं शोध के उन्नत के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि झारखण्ड के विश्वविद्यालय देश के अग्रणी संस्थानों में स्थान बनाएँ और देशभर के विद्यार्थी यहाँ अध्ययन के लिए उत्सुक हों। उन्होंने कहा कि आज विश्वविद्यालयों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उन्हें समाज की समस्याओं के समाधान का केंद्र बनना चाहिए। शोध, नवाचार और बहुविषयी अध्ययन को प्रोत्साहित कर ही पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण से जुड़े विषयों का प्रभावी समाधान संभव है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हमारा देश 'विकसित भारत @2047' के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे और पर्यावरण संरक्षण जैसे अभियानों के माध्यम से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि विकास और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं।

उन्होंने कहा कि झारखण्ड प्राकृतिक संपदा, जैव विविधता और युवा प्रतिभा से समृद्ध राज्य है। यहाँ प्रकृति और मानव का संबंध सदियों पुराना है। उन्होंने युवा शोधकर्ताओं एवं विद्यार्थियों से जिज्ञासा, अनुशासन और सामाजिक संवेदनशीलता के साथ शोध कार्य करने का आह्वान किया तथा आशा व्यक्त की कि आगामी तीन दिनों में होने वाली चर्चाएँ बौद्धिक, वैज्ञानिक एवं सामाजिक दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली सिद्ध होंगी।

(2) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित '6वें IEEE अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन - ICRTCST-26' के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 'लौहनगरी' जमशेदपुर केवल एक औद्योगिक नगर ही नहीं, बल्कि दूरदर्शी औद्योगिक सोच, नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्व की मिसाल के रूप में भी देश-विदेश में अपनी पहचान रखता है। इस गौरवशाली परंपरा की नींव टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी नुसरवानजी टाटा ने रखी, जिन्होंने उद्योग को केवल लाभ का साधन न मानकर राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा का प्रभावी माध्यम बनाया। शिक्षा, अनुसंधान, तकनीक और मानव कल्याण के क्षेत्र में टाटा समूह का योगदान आज भी प्रेरणास्रोत है।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य अपनी प्राकृतिक एवं खनिज संपदा, सांस्कृतिक विविधता और युवा प्रतिभा के लिए जाना जाता है। वर्तमान समय में, जब विश्व तीव्र तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, तब विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार किसी भी राज्य एवं राष्ट्र के सतत एवं समावेशी विकास की आधारशिला हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में संचार प्रौद्योगिकी (IT), कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), स्मार्ट सिस्टम्स, साइबर-फिजिकल सिस्टम्स तथा उभरती डिजिटल तकनीके वर्तमान की आवश्यकता ही नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा भी तय करती हैं। ये तकनीकें उद्योग, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा, स्मार्ट गवर्नेंस और सामाजिक विकास को नई दिशा प्रदान कर

रही हैं। उन्होंने कहा कि IEEE जैसे संगठन द्वारा आयोजित सम्मेलन ज्ञान के आदान-प्रदान के साथ-साथ वैश्विक चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने में भी सहायक हैं।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि आज शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि उन्हें अनुसंधान, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक समाधान के केंद्र के रूप में विकसित होना चाहिए। उन्होंने युवा शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपनी तकनीकी दक्षता का उपयोग समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए करें, क्योंकि अनुसंधान तभी सार्थक होता है जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, वोकल फॉर लोकल और विकसित भारत @2047 जैसे अभियानों के माध्यम से आत्मनिर्भरता और तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। ऐसे अंतरराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज प्रभात तारा मैदान, धुर्वा, रांची में आयोजित “द्वितीय संस्करण झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026” के उद्घाटन अवसर पर कहा कि झारखंड प्राकृतिक एवं खनिज संसाधनों से अत्यन्त समृद्ध राज्य है और देश के खनन क्षेत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा झारखंड में पाया जाता है, जिससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की यह पावन धरती सामाजिक एवं आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्र को विभिन्न क्षेत्रों में नई दिशा प्रदान कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ‘आत्मनिर्भर एवं सशक्त भारत’ के संकल्प के साथ ‘विकसित भारत @2047’ के लक्ष्य की ओर अग्रसर है, जिसमें झारखंड की भी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि संसाधनों का उपयोग केवल आर्थिक लाभ तक सीमित न रहे, बल्कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो-2026 केवल खनन गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तरदायी एवं तकनीक आधारित खनन, संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, श्रम-कल्याण, अधोसंरचना विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन जैसे समकालीन विषयों को भी समाहित करता है। उन्होंने विकास और पर्यावरण, उद्योग और श्रमिक हित तथा

आर्थिक प्रगति और सामाजिक संतुलन के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्र का भविष्य सतत विकास, पारदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व पर आधारित होना चाहिए। श्रमिकों की सुरक्षा, उनके कल्याण, कौशल विकास और सम्मानजनक जीवन-स्तर सुनिश्चित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। साथ ही, कंपनियों को कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) के अंतर्गत जन-कल्याण को प्राथमिकता देनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने विश्वास व्यक्त किया कि इस माइनिंग शो के माध्यम से उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं, निवेशकों तथा श्रमिक संगठनों के बीच सार्थक संवाद स्थापित होगा तथा यहाँ से निकलने वाले निष्कर्ष झारखंड सहित देश के खनन एवं औद्योगिक क्षेत्र को नई दिशा प्रदान करेंगे।

उक्त अवसर पर राज्यपाल महोदय ने वहाँ लगे विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया।